साहित्य समीक्षा या सर्वेक्षण

व्यापक अर्थ में अनुसंधान (Research) किसी भी क्षेत्र में 'ज्ञान की खोज करना' या 'विधिवत् गवेषणा' है। साहित्य समीक्षा या सर्वेक्षण शोध की प्रक्रिया में एक महत्त्वपूर्ण कार्य है, जिसपर किसी भी सामाजिक अनुसंधान की परियोजना का निर्माण किया जाता है, यह सामान्यतः किसी शोध समस्या को केन्द्र में रखकर प्रारम्भ किया जाता है। साहित्य समीक्षा में शोध समस्या से सम्बन्धित कार्यों का विवरण, सारांश और महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन प्रदान किया जाता है, इसके साथ ही शोध विषय का विकास, अनुसंधान अभिकल्प (Research Design) का निर्णय, तथा सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण तक भी किया जाता है।

साहित्य समीक्षा अपने आप में एक सतत प्रक्रिया है और सामान्यतः इसके चार चरण होते हैं-

① शोध विषय के सन्दर्भ में पृष्ठभूमि का अध्ययन, विचारों का अवलोकन और यह देखना कि इस सन्दर्भ में पूर्व में क्या कार्य हुआ है एवं इन सूचनाओं को अपने परियोजना में केन्द्रित करना।

② सूचनाओं के स्रोत की विस्तार से खोज करना तथा सूचनाओं के रिकार्ड का विस्तृत संग्रहण।

③ संग्रहित विषयों का अध्ययन एवं मूल्यांकन करना।

④ साहित्य समीक्षा के पश्चात् संरचना तथा उत्पाद का निर्माण।

साहित्य समीक्षा की आवश्यकता:

साहित्य समीक्षा दो शब्दों 'साहित्य' और 'समीक्षा' से मिलकर बना है। शोध में 'साहित्य' का अर्थ किसी शोध विषय के विशेष क्षेत्र के ज्ञान से है; जिसके अन्तर्गत सैद्धान्तिक, वैज्ञानिक, व्यवहारिक शोध अध्ययन अन्तर्निहित है। 'समीक्षा' का अर्थ शोध के विशेष क्षेत्र में पूर्व में हुए कार्यों का पुनर्निरीक्षण करने से है।

साहित्य समीक्षा की आवश्यकता शोधकार्य की योजना बनाने में, शोध समस्या के चयन करने में, अपने शोध अध्ययन के लिए परिकल्पना के निर्माण करने में निहित है। यह शोधकर्ता को एक दिशा प्रदान करती है। साथ ही शोधकर्ता अपने साहित्यिक समीक्षा के आधार पर ही अपनी शोध परिकल्पना निर्माण कर एक नवीन ज्ञान को सृजित व अन्वेषित करता है।

⇒ साहित्य समीक्षा का उद्देश्य:

- साहित्य समीक्षा शोध परिकल्पना के लिए साधन प्रदान करती है, जो शोधकर्ता को शोध परिकल्पना के निर्माण में सहायता प्रदान करती है।
- यह शोध समस्या के समाधान के उचित शोध प्रविधि, प्रक्रिया, तथ्यों के साधन, और सांख्यिकी तकनीक का सुझाव प्रदान करती है।
- यह सम्बन्धित अध्ययन के लिए एक उपयोगी निष्कर्ष प्रदान करने में सहायक होता है।

• साहित्य समीक्षा के माध्यम से शोधकर्ता को पूर्व में उपयोग में लाने वाले विभिन्न सिद्धान्तों एवं पद्धतियों (Methodology) को जानने का अवसर प्राप्त होता है।

• साहित्य समीक्षा के माध्यम से दूसरे के शोधकार्य में प्रयुक्त विश्लेषणात्मक ढाँचे (Analytical Framework) एवं रणनीति को जानने का अवसर मिलता है और शोधकर्ता यह निर्णय करने में सक्षम होता है कि उपलब्ध सामग्री उसके शोधकार्य में किस सीमा तक उपयुक्त है।

• साहित्य समीक्षा के द्वारा विशेषज्ञों की राय एवं विभिन्न स्रोतों के मध्य तुलना करने का अवसर प्राप्त होता है।

• साहित्य समीक्षा व्यवहार एवं सिद्धान्तों के मध्य सम्बन्धों की पहचान करने सहायता प्रदान करता है।

साहित्य समीक्षा के साधन या स्रोत:

शोध के क्षेत्र में सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा करना आवश्यक ही नहीं अपितु अनिवार्य है, जिसके लिए प्रकाशित, अप्रकाशित तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपलब्ध विशेष क्षेत्र से सम्बन्धित ज्ञान और सूचना का अन्वेषण तथा समीक्षा किया जाता है। इसके लिए प्रमुख स्रोतों का अन्वेषण, गहन अध्ययन, समीक्षा, तथा उनका पुनर्निरीक्षण करना आवश्यक ही नहीं अपितु अपेक्षित है। इसके मुख्य संघटक तत्व है-

- पुस्तकें (Books)
- सन्दर्भित जर्नल्स (Refereed Journals)
- असन्दर्भित जर्नल्स (Non-Refereed Journals)
- शोध ग्रन्थ एवं कॉन्फ्रेंस पेपर (Thesis & Conference Paper)
- समाचार पत्र (News Papers)
- दूरदर्शन/रेडियो (Television/Radio)
- संस्था अथवा कम्पनी के द्वारा प्रकाशित प्रलेख (Grey Literature)
- कार्यालयी प्रलेख (Officals Documents)
- शोध प्रतिवेदन (Research Reports)
- इंटरनेट (The Internet)

इसके अतिरिक्त भी शोध रिपोर्ट, शोध पत्र, सन्दर्भ पुस्तकें, सरकारी नीति, प्रासंगिक कानून और कानूनी घोषणाएँ,

भी शोध सम्बन्धी साहित्य हो सकता है। इसप्रकार विविध सूचना स्रोतों की खोज तथा समीक्षा शोध अध्ययन को दिशा और गति देने में उपयोगी सिद्ध होता है।

⇒ साहित्य समीक्षा की प्रक्रिया:

साहित्य समीक्षा एक अनवरत कार्यकलाप है, जो अनुसंधान के समय असंख्य बिन्दुओं पर शोधार्थी का ध्यान आकृष्ट करता है। साहित्य समीक्षा की प्रक्रिया के अन्तर्गत निम्न बिन्दु उल्लेखनीय है -

- विषय का चयन: अनुसंधान प्रश्नों को परिभाषित करना (Chose a topic Define your Research question)

साहित्य समीक्षा सम्बन्धित अनुसंधान प्रश्नों से निर्देशित होने चाहिए। अतः यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अनुसंधान प्रश्न शोध को पूर्ण करने में समर्थ हो।

* समीक्षा के क्षेत्र का निर्धारण: Scope of Review

इसके अन्तर्गत कितने अध्ययनों को देखने की आवश्यकता है, इसे कितना विस्तृत होना चाहिए, तथा शोध में कितना समय चाहिए इन विषयों की चर्चा अनुकरणीय है।

* स्रोज के अनुसार स्रोतों का चयन:
स्रोतों के चयन की एक सूची का निर्माण करना चाहिए, जैसे- जर्नल्स, इन्टरनेट, लाइब्रेरी आदि।

* खोजों के आधार पर साहित्य की प्राप्ति:
शोध अध्ययन के सारांश (Abstract) की समीक्षा करना ताकि शोध से सम्बन्धित सामग्री का ज्ञान हो सके। शोध अध्ययन की सन्दर्भ सूची (Bibliography) एवं सन्दर्भ (References) का उपयोग करना चाहिए।

* साहित्य समीक्षा: (Review the Literature)

↳ साहित्य को पढ़ना (Reading the literature):
पढ़ने के क्रम में अपने आपको सावधानीपूर्वक केन्द्रित दृष्टिकोण को ध्यान में रखना चाहिए।

↳ रिकार्ड्स रखना (Keeping Records):
साहित्य को पढ़ने के क्रम में इसके रिकार्ड को सुरक्षित रखना चाहिए। कम से कम सन्दर्भ सूची की सूचनाएँ अवश्य रखना चाहिए ताकि बाद में सन्दर्भ सूची का निर्माण हो सके। इसके लिए Computer Software का उपयोग किया जा सकता है।

↳ साहित्य समीक्षा की प्रस्तुति: (Presenting the Review of Literature)
साहित्य समीक्षा के उपरान्त विभिन्न माध्यमों से समीक्षा की प्रस्तुति की जा सकती है।